# Issues and Challenges of National Integeration since Independence

A National Seminar was organised on ''Issues and Challenges of National Integration since Independence'' in the month of 29th March, 2014 by the Dept. of History, Guru Nanak College, Dhanbad.

The seminar was a huge success in the sense that scholars and intellectuals from various fields came as resource persons presented their views and papers and made an impact on the students and the participants.

The seminar was inaugurated by Prof. Amalendu Sinha, Director, Central Institute of Mining and Fuel Research, Dhanbad. Dr. Y.D. Prasad, Former Head, Department of History and former Director A.N. Sinha Institute, Patna, a distinguished scholar in this part of the country, presented the key note address, and set the tone of the seminar. Dr. I.C. Kumar, I.A.S(Retd.), Former Secretary, Govt. of India, a celebrated social scientist who has authored many books on such social issues and famous for his intellectual leanings, joined the seminar as a resource person. Prof. B.B. Kumar, a social scientist and Professor from Kohima University, Nagaland made his presence felt by his intellectual presentation as a resource person.

The seminar ended on a very high note after churning of ideas by the intellectual giants present in the seminar. Dr. Ranjana Das, a teacher in the Dept. of History, was the organising secretary.

Guru Nanak College, Dhanbad
National Seminar
on
"Issues and Challenges of National Integration since Independence"
March 29, 2014
Organised by

Guru Nanak College, Dhanb

DELEGATE

Guru Nanak College, Dhanbad
Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag
National

GURU NANAK COLLEGE
DHANBAD

GURU NANAK COLLEGE
DHANBAD

GURU NANAK

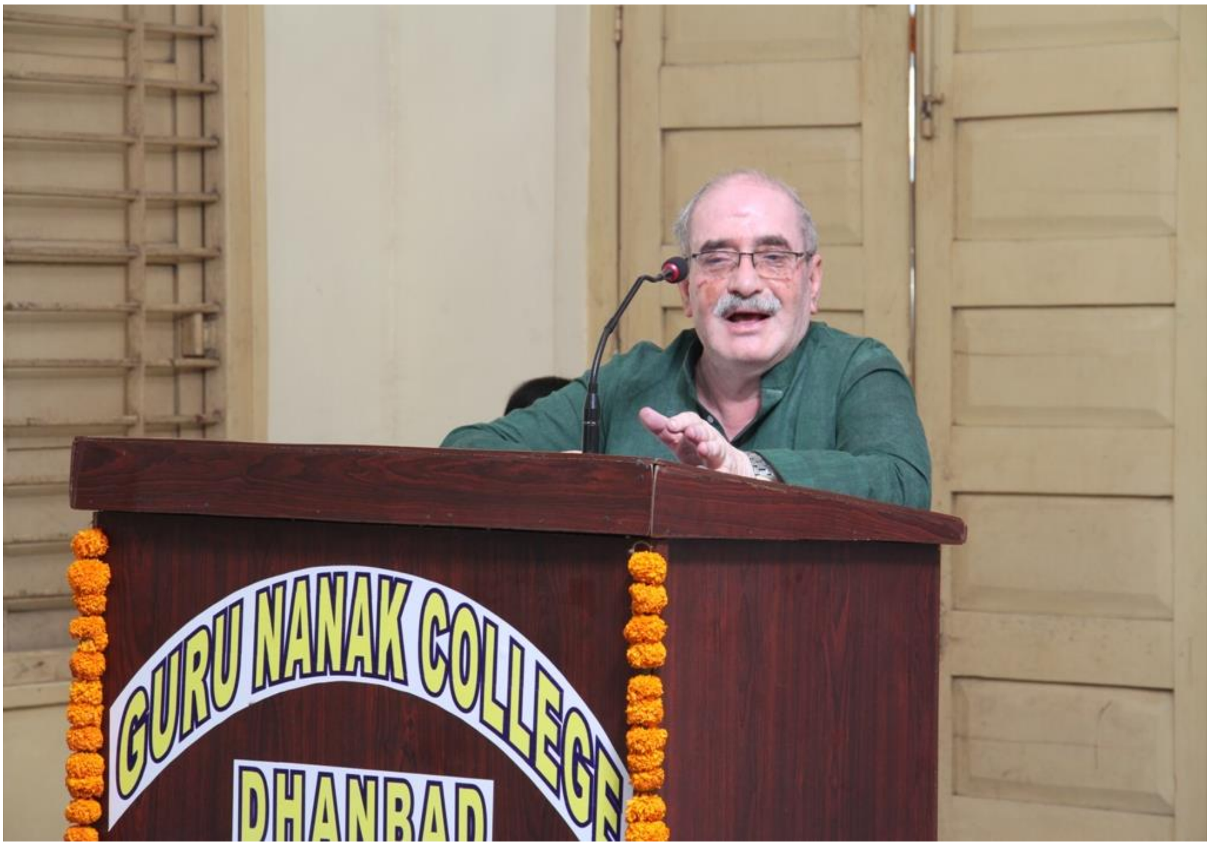
GURU NANAK COLLEGE
DHANBAD

Guru Nanak College, Dhanbad
Established & Managed by Gurudwara Prabandhak Committee, Dhanbad
&
Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag
on
GURU NANAK COLLEGE

GURU NANAK COLLEGE
DHANBAD

Guru Nanak College, Dhanbad
Established & Managed by Gurudwara Prabandhak Committee, Dhanbad
&
Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag
National Seminar
Integration since Independence"
March 29, 2014
Organised by
Department of History

# Press Release

## राष्ट्रीय सेमिनार . गुरुनानक कॉलेज में बोले डॉ अमलेंदु सिन्हा

# राष्ट्र के लिए तकनीक संपन्नता जरूरी

- 'आजादी के बाद राष्ट्रीय एकता के समक्ष मुद्दा एवं चुनौती' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार
- देश भर के विद्वानों ने रखे विचार
- देश की एकता व अखंडता बहुआयामी : डॉ युवराज देव प्रसाद
- डिग्री की फौज की बजाय कौशल विकास जरूरी : डॉ आइसी कुमार

**धनबाद.** सिंफर के निदेशक डॉ अमलेंदु सिन्हा मानते हैं कि शैक्षणिक विषयों का जुड़ाव भावनाओं से होना जरूरी है. इस मामले में हमें चीन का अनुसरण करना चाहिए. वह दूसरे देश में इस सोच से व्यापार नहीं करता कि वहां की भाषा अलग है. वह हर देश को अपनी भाषा में सॉफ्टवेयर व अन्य सामग्री परोसता है. उद्देश्य अपनी भाषा की छाप हम पर छोड़ना है. लेकिन हम अपने देश में भाषा व संस्कृति की उपेक्षा करते हैं. डॉ सिन्हा शनिवार को जीएन कॉलेज में इतिहास विभाग की ओर से 'आजादी के बाद राष्ट्रीय एकता के समक्ष मुद्दा एवं चुनौती' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने राष्ट्रीय विकास के लिए तकनीकी रूप से विकसित होने पर जोर डाला.

**ये भी रहे सहभागी :** अध्यक्षता जीएन कॉलेज शासी निकाय के उपाध्यक्ष दरबारा सिंह ने की, जबकि स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ पी शेखर ने दिया. धन्यवाद ज्ञापन मुनेश्वर प्रसाद ने किया. समारोह में विभावि सोशल साइंस के डीन डॉ आरसी प्रसाद, जेजे कॉलेज झुमरी तिलैया के प्राचार्य डॉ अली इमाम खान, बीएसके कॉलेज मैथन के प्राचार्य डॉ जेपी साह, डॉ एनके अंबष्ठा, वरिष्ठ पत्रकार बनखंडी मिश्र व इंद्रजीत सिंह, नीता ओझा ने भी अपने विचार व्यक्त किया. पहली बार यहां उच्च स्तरीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया था. आयोजन में कॉलेज के प्राचार्य पी शेखर, आयोजन सचिव डॉ रंजना दास की सक्रिय भूमिका थी.

### राष्ट्रीय अखंडता बहुआयामी

पटना विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं एएन सिन्हा इंस्टीच्यूट के पूर्व निदेशक डॉ युवराज देव प्रसाद ने राष्ट्रीय अखंडता को बहुआयामी बताते हुए संप्रभुता एवं राष्ट्रीय सशक्तीकरण पर जोर बल दिया. सीनियर फैकल्टी तथा सेमिनार की संगठन सचिव डॉ रंजना दास ने कहा भारत कभी मुगलों से तो कभी अंगरेजों से प्रभावित रहा. फिलहाल देश की एकता व अखंडता क्षेत्रीयतावाद, संप्रदायवाद व नक्सलवाद से प्रभावित है. सेवानिवृत्त आइएएस एवं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ आइसी कुमार ने शिक्षा में गुणवत्ता पर जोर डाला. उन्होंने डिग्री की फौज खड़ी करने की बजाय शिक्षा के क्षेत्र में कौशल विकास पर जोर डाला.

मंचासीन अतिथि (ऊपर) व उपस्थित लोग. फोटो । प्रभात खबर

### पीके राय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आज से

**धनबाद.** पीके राय कॉलेज के पॉलिटिकल साइंस विभाग की ओर से 30-31 मार्च को यूजीसी के स्पांसरशिप में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार होगी. विषय है 'डॉ मौलाना अबुल कलाम आजाद एवं नयी शिक्षा नीति.' यह जानकारी विभागाध्यक्ष डॉ आरसी प्रसाद ने दी. बताया कि उद्घाटन सत्र सुबह दस बजे शुरू होगा. मुख्य अतिथि होंगे आइएसएम के निदेशक डॉ डीसी पाणिग्रही होंगे. कई विशेषज्ञ जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ रिजवान कैसर, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अजय कुमार, एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइसेंज, पटना के पूर्व निदेशक प्रो वाई डी प्रसाद शिरकत करेंगे. सेमिनार में दो तकनीकी सत्र होंगे. सेमिनार के लिए अब तक 200 शोध पत्र आ चुके है. सोमवार को समापन समारोह शाम 3.00 बजे से शुरू होगा. मुख्य अतिथि होंगे सिंफर के निदेशक डॉ अमलेंदु सिन्हा होंगे.

# जीएन कॉलेज में लगा सेमिनार

### राष्ट्रीय अखंडता को लें तकनीक का सहारा

दैनिक भास्कर

गुरुनानक कॉलेज में आयोजित सेमिनार में राष्ट्रीय अखंडता पर हुई चर्चा

# तकनीक की मदद लें : अमलेंदु